कोस्टल हार्डनिंग

सन्दर्भ: हाल ही में नेचर पत्रिका में प्रकाशित एक अध्ययन में यह चिंता जताई है कि दुनिया के लगभग 33% समुंदर के बालू वाले समुद्र तटों पर कोस्टल हार्डनिंग हो चुकी है।

क्या है कोस्टल हार्डनिंग?

- कोस्टल हार्डनिंग का मतलब है मानव द्वारा बनाई गई कठोर और अर्ध-रचनात्मक संरचनाएं जो प्राकृतिक परिदृश्य को बदल देती हैं और समुद्र तटों की प्राकृतिक गति को रोक सकती हैं।
- कोस्टल हार्डनिंग में समुद्र तटों को बचाने के लिए विभिन्न संरचनाओं का निर्माण किया जाता है, जैसे कि समुद्री दीवारें, बंदरगाह, सड़कें, हाईवे, इमारतें, रेलवे बेंकमेंट और अन्य शहरी विकास। हालांकि ये संरचनाएं तात्कालिक सुरक्षा प्रदान कर सकती हैं, लेकिन इसके दीर्घकालिक पर्यावरणीय परिणाम होते हैं। यह समस्या अब दुनिया भर के समुद्र तटों को प्रभावित कर रही है, जिसका समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र पर गहरा प्रभाव पड़ रहा है।

प्रमुख प्रभावित क्षेत्र:

- अध्ययन के अनुसार, बंगाल की खाड़ी दुनिया में सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्र है, जहां 84% समुद्र तटों को हार्डन किया गया है। इसके बाद पश्चिमी और मध्य यूरोप का स्थान है, जहां 68% समुद्र तटों पर कोस्टल हार्डनिंग हुई है और भूमध्य सागर में यह आंकड़ा 65% है।
- पश्चिमी उत्तरी अमेरिका और पूर्वी एशिया में भी 61% और 50% समुद्र तटों में यह समस्या देखी गई है।
- ये आंकड़े दर्शाते हैं कि समुद्र तटों के नुकसान का स्तर स्थानिक रूप से भिन्न है और यह विशेष रूप से निम्न और मध्य आय वाले देशों में अधिक गंभीर हो सकता है।

कोस्टल हार्डनिंग के प्रभाव:

- **प्राकृतिक प्रक्रियाओं में विघटन:** कोस्टल हार्डनिंग का मुख्य प्रभाव यह है कि यह बालू के प्राकृतिक गति को बाधित करती है। समुंदर के किनारे की बालू गतिशील होती है, जो हवाओं, लहरों और ज्वार-भाटे के प्रभाव से लगातार बदलती रहती है। जब कठोर संरचनाएं बनाई जाती हैं, तो ये बालू के प्राकृतिक स्थानांतरण को रोक देती हैं, जिससे अनपेक्षित स्थानों पर कटाव बढ़ सकता है।
- **आवासों की हानि:** समुद्र तट, ड्यून और आर्द्रभूमि जैसी तटीय पारिस्थितिकी तंत्र अनेक वन्यजीवों के लिए महत्वपूर्ण आवास प्रदान करते हैं। कोस्टल हार्डनिंग इन पारिस्थितिकी तंत्रों को नष्ट या क्षतिग्रस्त कर सकती है, जिससे जैव विविधता में कमी आती है और उन जीवों और पौधों को नुकसान पहुंचता है जो इन क्षेत्रों पर निर्भर होते हैं।
- **दीर्घकालिक स्थिरता समस्याएं:** जैसे-जैसे जलवायु परिवर्तन के कारण समुद्र स्तर बढ़ रहे हैं, कोस्टल हार्डनिंग समुद्र तटों की स्थिति को 'लॉक' कर देती है, जिससे भविष्य में बदलाव को अपनाना और भी कठिन हो सकता है। इन संरचनाओं के कारण समुद्र तटों के पीछे जाने का स्थान कम हो जाता है, और समुद्र स्तर बढ़ने पर समुंदर के किनारे के क्षेत्रों को बाढ़ और कटाव से बचाना कठिन हो सकता है।

निष्कर्ष:

कोस्टल हार्डनिंग समुंदर के किनारे के पारिस्थितिकी तंत्रों पर गंभीर प्रभाव डाल रही है और इसके दीर्घकालिक प्रभावों को ध्यान में रखते हुए तटीय क्षेत्रों में सतर्कता और बेहतर प्रबंधन की आवश्यकता है।

गूगल की क्वांटम कंप्यूटिंग में सफलता: विलो चिप और इसके प्रभाव

सन्दर्भ: क्वांटम कंप्यूटिंग में एक महत्वपूर्ण सफलता के रूप में, गूगल ने अपनी विलो चिप का अनावरण किया है, जो क्वांटम तकनीक को अधिक व्यावहारिक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस चिप ने एक जटिल गणना को पांच मिनट से भी कम समय में हल कर दिया, जिसे पारंपरिक सुपरकंप्यूटरों को पूरा करने में लगभग 10 सेप्टिलियन वर्ष लगते। यह उपलब्धि क्वांटम तकनीक में तेजी से हो रही प्रगति और इसकी कंप्यूटिंग क्षमताओं को बदलने की क्षमता को प्रदर्शित करती है।

क्वांटम कंप्यूटिंग क्या है?

- क्वांटम कंप्यूटिंग अत्याधुनिक कंप्यूटर विज्ञान का एक उभरता हुआ क्षेत्र है जो क्वांटम यांत्रिकी के अद्वितीय गुणों का उपयोग करके सबसे शक्तिशाली परंपरागत कंप्यूटरों की क्षमता से परे समस्याओं को हल करने में सक्षम है।
- क्वांटम भौतिकी का लाभ उठाकर, पूरी तरह से विकसित क्वांटम कंप्यूटर आधुनिक मशीनों की तुलना में कई गुना तेजी से जटिल समस्याओं को हल करने में सक्षम होते है। क्वांटम कंप्यूटर के लिए, ऐसी चुनौतियाँ जिन्हें पूरा करने में परंपरागत कंप्यूटर को हजारों साल लग सकते हैं, उन्हें मिनटों में हल किया जा सकता है।

गूगल की विलो चिप:

- **उन्नत डिजाइन:** विलो चिप एक क्वांटम कंप्यूटिंग सिस्टम है जो प्रदर्शन में सुधार और त्रुटियों को कम करने के लिए उन्नत क्वांटम त्रुटि सुधार तकनीकों को एकीकृत करता है। पिछले सिस्टमों के विपरीत, विलो अधिक क्यूबिट्स जोड़ने पर त्रुटि दर को कम करता है, जो क्वांटम कंप्यूटिंग में एक महत्वपूर्ण चुनौती है। गूगल की टीम ने वास्तविक समय में त्रुटि सुधार प्राप्त किया, जो जटिलता बढ़ने पर भी गणनाओं की सटीकता सुनिश्चित करता है।
- **प्रदर्शन बेंचमार्किंग:** परीक्षण में, विलो चिप ने दुनिया के कुछ सबसे

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

शक्तिशाली क्लासिकल सुपरकंप्यूटरों, जिसमें फ्रंटियर भी शामिल है, को पार कर लिया, जो रैंडम सर्किट सैंपलिंग (RCS) बेंचमार्क का उपयोग करता है। यह बेंचमार्क क्वांटम कंप्यूटर की उन कार्यों को करने की क्षमता का आकलन करता है जो क्लासिकल कंप्यूटर नहीं कर सकते, जो क्वांटम कंप्यूटिंग प्रदर्शन में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

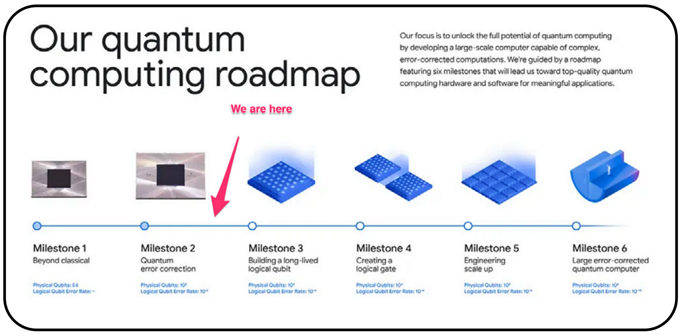

AI, डेटा सुरक्षा और राष्ट्रीय नीतियों पर प्रभाव:

- **कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर प्रभाव:** क्वांटम कंप्यूटिंग AI विकास को नाटकीय रूप से तेज कर सकती है, विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जहाँ विशाल डेटा प्रोसेसिंग की आवश्यकता होती है। क्वांटम कंप्यूटर AI मॉडल को अधिक कुशलता से प्रशिक्षित कर सकते हैं, जिससे स्वास्थ्य सेवा, वित्त, और साइबर सुरक्षा जैसे उद्योगों में क्रांति आ सकती है।
- **एन्क्रिप्शन और डेटा सुरक्षा के लिए चुनौतियाँ:** क्वांटम कंप्यूटिंग के सन्दर्भ में एक प्रमुख चिंता इसका RSA एन्क्रिप्शन को भेदने की क्षमता है, जो ऑनलाइन डेटा को सुरक्षित करने के लिए व्यापक रूप से उपयोग की जाने वाली विधि है। हालांकि विलो अभी तक तै। एन्क्रिप्शन को तोड़ने में सक्षम नहीं है, लेकिन जैसे-जैसे क्वांटम तकनीक आगे बढ़ेगी, यह वर्तमान सुरक्षा प्रोटोकॉल के लिए एक खतरा बन सकता है। नीति-निर्माताओं को भविष्य की चुनौतियों से बचाने के लिए साइबर सुरक्षा नीतियों को अपडेट करने की आवश्यकता हो सकती है।

निष्कर्ष:

गूगल की विलो चिप क्वांटम कंप्यूटिंग के विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो सैद्धांतिक से व्यावहारिक अनुप्रयोगों की ओर संक्रमण का संकेत देती है। जैसे-जैसे क्वांटम तकनीक विकसित होती रहेगी, इसका कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा और तकनीकी नीति पर गहरा प्रभाव पड़ेगा। दुनिया भर की सरकारों को उद्योगों और वैश्विक सुरक्षा पर क्वांटम कंप्यूटिंग के परिवर्तनकारी प्रभाव के लिए तैयार रहना होगा।

भारत और मनीला के बीच समुद्री सहयोग

संदर्भ: हाल ही में भारत और फिलीपींस के मध्य 14 दिसंबर 2024 को मनीला में पहली समुद्री वार्ता आयोजित हुई, जिसका उद्देश्य द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना और क्षेत्रीय समुद्री चुनौतियों का समाधान करना था। इस वार्ता का केंद्रीय विषय नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को बनाए रखना था, जिसमें समुद्र के कानून पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (UNCLOS) का पालन सुनिश्चित करना शामिल है।

- यह वार्ता भारत और फिलीपींस के बीच राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ पर आयोजित हुई, जो एक लंबे और मजबूत साझेदारी का प्रतीक है। दोनों देशों ने समुद्रों के शांतिपूर्ण, सतत और समान उपयोग की आवश्यकता पर जोर दिया।

सहयोग के क्षेत्र:

- वार्ता में समुद्री उद्योग विकास, समुद्री वैज्ञानिक अनुसंधान, महासागर अर्थव्यवस्था और मानवीय सहायता एवं आपदा राहत (HADR) में सहयोग के अवसरों पर चर्चा हुई।
- भारत और फिलीपींस ने नौसेना और तटरक्षक बल के बीच सहयोग बढ़ाने, समुद्री कानून प्रवर्तन, और क्षमता निर्माण पहलों पर चर्चा की।
- दोनों देशों ने क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों में साझा समुद्री उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए सहयोग की इच्छा व्यक्त की, जिससे आर्थिक समृद्धि और सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

भारत-फिलीपींस संबंधों का ऐतिहासिक संदर्भ:

- **राजनयिक संबंध:** भारत और फिलीपींस ने साल 1949 से राजनयिक संबंध बनाए रखे हैं और हाल के वर्षों में यह संबंध काफी मजबूत हुए हैं।
- **द्विपक्षीय व्यापार वृद्धि:** द्विपक्षीय व्यापार 2015-16 में 1.89 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2021-22 में 2.84 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया है। भारत फिलीपींस को दवाओं का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है।
- **रक्षा सहयोग:** दोनों देश RIMPAC और ASEAN-India Maritime Exercise जैसे संयुक्त सैन्य अभ्यासों में भाग लेते हैं। 2022 में, भारत ने फिलीपींस को ब्रह्मोस मिसाइलें आपूर्ति कीं, जिससे रक्षा संबंध और

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

मजबूत हुए।

सांस्कृतिक और तकनीकी संबंध:

- भारत और फिलीपींस के बीच सांस्कृतिक और शैक्षिक आदान-प्रदान फल-फूल रहे हैं, जिसमें भारत के तकनीकी और आर्थिक सहयोग (ITEC) कार्यक्रम का फिलीपींस को लाभ मिला है। दोनों देशों का अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (IRRI) जैसे संस्थानों के माध्यम से निकट संबंध है।

हाल के विकास और चुनौतियां:

- **नए उभरते क्षेत्रों में सहयोग:**
  - » फिनटेक, अंतरिक्ष (फिलीपींस स्पेस एजेंसी और इसरो के बीच सहयोग) और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ रहा है।
- **साझा समुद्री सुरक्षा हित:**
  - » हिंद-प्रशांत क्षेत्र में लोकतांत्रिक राष्ट्रों के रूप में, भारत और फिलीपींस ने समुद्री सुरक्षा बनाए रखने में अपने हितों को संरेखित किया है।
  - » भारत की एक्ट ईस्ट नीति, जिसका उद्देश्य दक्षिण-पूर्व एशिया में जुड़ाव बढ़ाना है, ने फिलीपींस के साथ संबंध मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
  - » भारत ने दक्षिण चीन सागर पर फिलीपींस की स्थिति का समर्थन किया है और क्षेत्रीय समुद्री व्यवस्था में किसी भी एकतरफा बदलाव का विरोध किया है।

क्षेत्रीय चुनौतियां:

- बदलते शक्ति संतुलन के कारण हिंद-प्रशांत क्षेत्र को चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, विशेष रूप से दक्षिण चीन सागर और व्यापक हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की आक्रामक भूमिका के कारण। इसी सन्दर्भ में भारत और फिलीपींस दोनों के लिए विवादित जल क्षेत्रों में संप्रभुता और नौवहन की स्वतंत्रता को लेकर गंभीर चिंताएं उत्पन्न हुई हैं।

भारतमाला परियोजना

संदर्भ: हाल ही में, वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने भारतमाला परियोजना के अंतर्गत, पहले चरण में 18,000 किलोमीटर से अधिक राष्ट्रीय राजमार्ग बनाए जाने की महत्वपूर्ण उपलब्धि को बताया।

भारतमाला परियोजना के बारे में:

- भारतमाला परियोजना, 2015 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू की गई, भारत के परिवहन बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के उद्देश्य से एक प्रमुख पहल है।

मुख्य मील का पत्थर:

- पहले चरण में 18,000 किलोमीटर से अधिक राष्ट्रीय राजमार्ग का बनाया जाना अपने आप में महत्वपूर्ण प्रगति का संकेत है। भारत का राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क 2014 से 1.6 गुना बढ़ गया है, जो 91,287 किमी से बढ़कर नवंबर 2024 तक 1,46,195 किमी हो गया है। पहले चरण का लक्ष्य 34,800 किमी सड़कों का निर्माण करना है, जिसमें से 18,714 किमी पहले ही पूरा हो चुका है।

परियोजना का अवलोकन और उद्देश्य:

- **लक्ष्य:** भारतमाला परियोजना का उद्देश्य 7 लाख करोड़ रुपये की अनुमानित लागत पर 83,677 किलोमीटर राजमार्गों का विकास करना है।
- **फोकस क्षेत्र:**
  - » सीमा और अंतर्राष्ट्रीय कनेक्टिविटी सड़कें।
  - » तटीय और बंदरगाह कनेक्टिविटी।
  - » राष्ट्रीय और आर्थिक गलियारों का संवर्धन।
- **उद्देश्य:** परियोजना का उद्देश्य परिवहन चुनौतियों का समाधान करना, कनेक्टिविटी में सुधार करना और बुनियादी ढांचे की खामियों को पाटकर आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है।

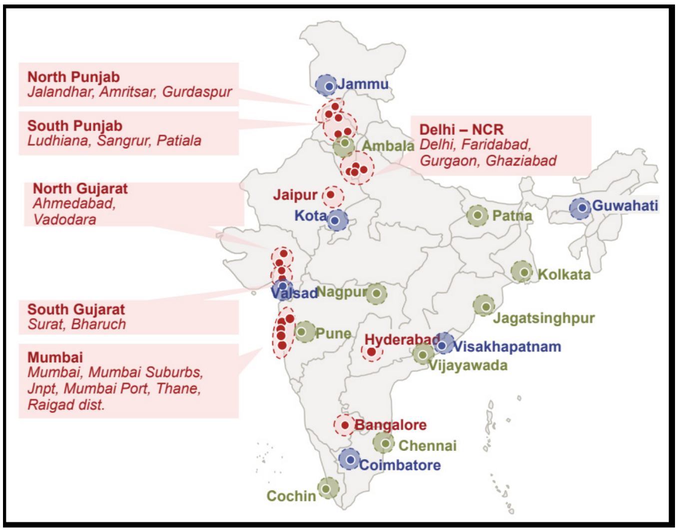

मुख्य विशेषताएँ और लाभ:

- **सुधरी हुई कनेक्टिविटी:**
  - » परियोजना 550 जिलों को जोड़ेगी, जिससे दूरस्थ क्षेत्रों तक कनेक्टिविटी बढ़ेगी। कनेक्टिविटी का विस्तार आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने, यात्रा समय को कम करने, और लॉजिस्टिक्स प्रदर्शन को बढ़ाने की उम्मीद है।
- **माल ढुलाई में वृद्धि:**
  - » आर्थिक गलियारों और अंतर-जिला कनेक्शनों पर ध्यान केंद्रित करके देश भर में माल की आवाजाही में सुधार करना।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR: 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR: 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

- » लॉजिस्टिक्स लागत में कमी और आपूर्ति श्रृंखला की दक्षता में सुधार की उम्मीद है, जिससे व्यापार और वाणिज्य को लाभ होगा।
- **यात्रियों की सुविधा:**
  - » परियोजना का उद्देश्य मौजूदा सड़कों में सुधार और नई सड़कों का निर्माण करके यात्रियों के यात्रा अनुभव को बढ़ाना है।
  - » लंबी दूरी की यात्रा तेज और अधिक आरामदायक होगी, जिससे यात्रियों को लाभ होगा।
- **रोजगार सृजन और आर्थिक विकास:**
  - » पहले चरण के दौरान, राजमार्गों के निर्माण से 10 करोड़ मानव-दिवस रोजगार उत्पन्न होने की उम्मीद है।
  - » परियोजना लगभग 22 मिलियन स्थायी नौकरियाँ पैदा करेगी, जिससे आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा और आजीविका में सुधार होगा।

पॉवर पैक्ड न्यूज़

डेजर्ट नाइट अभ्यास

- हाल ही में भारत, फ्रांस और संयुक्त अरब अमीरात (UAE) ने डेजर्ट नाइट रक्षा अभ्यास आयोजित किया।
- यह त्रिपक्षीय अभ्यास तीनों देशों की वायु सेनाओं के युद्ध कौशल और पारस्परिक संचालन क्षमता को बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।
- यह अभ्यास अरब सागर के ऊपर, कराची से लगभग 350-400 किमी दक्षिण-पश्चिम में आयोजित किया गया।
- डेजर्ट नाइट अभ्यास भारत की एक व्यापक रणनीति का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में समान विचारधारा वाले देशों के साथ रक्षा सहयोग को मजबूत करना है।
- फ्रांस और UAE के साथ समन्वय स्थापित करके भारत अपने रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करना चाहता है और एक स्वतंत्र, खुला और समावेशी इंडो-पैसिफिक सुनिश्चित करना चाहता है।
- यह अभ्यास, भारत की दृष्टि से इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव को संतुलित करने के लिए भी महत्वपूर्ण है।

सुरसा

- भारतीय मसाला अनुसंधान संस्थान ने अदरक की एक नई किस्म, सुरसा, विकसित की है। यह अदरक की पहली ऐसी किस्म है, जिसे विशेष रूप से सब्जी के रूप में उपयोग के लिए तैयार किया गया है। यह किस्म तीखी नहीं होती और इसके स्वाद को अधिक स्वादिष्ट बताया जा रहा है।
- सुरसा की उपज क्षमता प्रति हेक्टेयर 24.33 टन तक हो सकती है। इसके प्रकंद मोटे होते हैं और इनका गूदा सफेद पीले रंग का होता है। सुरसा में फाइबर की मात्रा कम होती है और इसकी ड्राई रिकवरी दर लगभग 21% है। यह सूखी अदरक बनाने के लिए भी आदर्श है और इसे पॉलीबैग में भी उगाया जा सकता है।
- केरल राज्य वैरिएटल रिलीज कमेटी ने इस किस्म की खेती को राज्य में मंजूरी दे दी है। सुरसा के विकास के साथ, भारत में अदरक की खेती और इससे जुड़े उद्योगों को नई संभावनाएं मिलने की उम्मीद है।

एलन मस्क की कुल संपत्ति $ 400 बिलियन के पार

- एलन मस्क की कुल संपत्ति $400 बिलियन को पार कर गई है, जिससे वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले व्यक्ति बन गए हैं। इस वृद्धि का मुख्य कारण टेस्ला के शेयरों की कीमत में उछाल है, जो $420 के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया।
- मस्क की नियुक्ति इस साल सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीइ) के सह-नेता के रूप में हुई थी, जिसके बाद कंपनी के शेयर की कीमत में 70% की वृद्धि दर्ज की गई। मस्क वर्तमान में एक्स के मालिक और स्पेसएक्स के संस्थापक हैं। टेस्ला के 'वी, रोबोट' कार्यक्रम के दौरान मस्क ने स्व-चालित टैक्सी और ह्यूमनॉइड रोबोट ऑप्टिमस का प्रदर्शन भी किया।
- एलन मस्क ने अब तक सात व्यवसाय सह-स्थापित किए हैं, जिनमें टेस्ला, स्पेसएक्स और एक्सएआई शामिल हैं। 2022 में मस्क ने ट्विटर को +44 बिलियन में खरीदा और उसका नाम बदलकर एक्स कर दिया।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

फ्रांस के नए प्रधानमंत्री फ्रेंकोइस बायरू

- फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रोन ने फ्रेंकोइस बायरू को फ्रांस का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया है। यह नियुक्ति पिछली सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के बाद की गई।
- फ्रेंकोइस बायरू 2024 में नामित होने वाले चौथे प्रधानमंत्री हैं। इससे पहले प्रधानमंत्री मिशेल बार्नियर ने केवल तीन महीने तक सेवा की, जो फ्रांस के इतिहास में सबसे कम समय तक सेवा देने वाले प्रधानमंत्री बन गए। जनवरी 2024 में, गेब्रियल अट्टल फ्रांस के सबसे कम उम्र के प्रधानमंत्री बने थे।
- फ्रांस में प्रधानमंत्री फ्रांसीसी गणराज्य की सरकार के प्रमुख होते हैं और राष्ट्रपति के बाद दूसरा सबसे बड़ा पद संभालते हैं। बायरू की नियुक्ति के साथ, सरकार की स्थिरता और नीतिगत दिशा में बदलाव की उम्मीद की जा रही है।

22वां दिव्य कला मेला

- दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा 12 से 22 दिसंबर 2024 तक इंडिया गेट पर 22वें दिव्य कला मेले का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में 20 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लगभग 100 दिव्यांग उद्यमी और कारीगर भाग ले रहे हैं।

- दिव्य कला मेला दिव्यांगजनों को अपनी प्रतिभा दिखाने और अपने उत्पादों को बेचने के लिए एक मंच प्रदान करता है। इस मेले में हस्तशिल्प, हथकरघा, कढ़ाई कार्य, पर्यावरण अनुकूल स्टेशनरी, जीवन शैली उत्पाद और गृह सजावट के उत्पाद प्रदर्शित किए जाएंगे।
- 2022 में अपनी स्थापना के बाद से दिव्य कला मेला पूरे भारत के 21 शहरों में सफलतापूर्वक आयोजित किया जा चुका है। यह आयोजन दिव्यांगजनों को मुख्यधारा में लाने और उनकी आर्थिक स्वतंत्रता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com